॥ ॐ जय शिव ओंकारा ॥

ॐ जय शिव ओंकारा, स्वामी जय शिव ओंकारा।
ब्रह्मा, विष्णु, सदाशिव, अद्धांगी धारा॥ ओम जय शिव ओंकारा॥

एकानन चतुरानन पञ्चानन राजे।
हंसासन गरूड़ासन वृषवाहन साजे॥ ओम जय शिव ओंकारा॥

दो भुज चार चतुर्भुज दसभुज अति सोहे।
त्रिगुण रूप निरखत त्रिभुवन जन मोहे॥ ओम जय शिव ओंकारा॥

अक्षमाला वनमाला मुण्डमालाधारी।
त्रिपुरारी कंसारी कर माला धारी॥ ओम जय शिव ओंकारा॥

श्वेताम्बर पीताम्बर बाघंबर अंगे।
सनकादिक गरुड़ादिक भूतादिक संगे॥ ओम जय शिव ओंकारा॥

कर के मध्य कमण्डल चक्र त्रिशूलधारी।
जगकर्ता जगभर्ता जगसंहारकर्ता॥ ओम जय शिव ओंकारा॥

www.ShivNirvana.com

॥ ॐ जय शिव ओंकारा ॥

ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका।
प्रणवाक्षर के मध्ये ये तीनों एका॥ ओम जय शिव ओंकारा॥

पर्वत सोहैं पार्वती, शंकर कैलासा।
भांग धतूरे का भोजन, भस्मी में वासा॥ ओम जय शिव ओंकारा॥

जटा में गंग बहत है, गल मुण्डन माला।
शेष नाग लिपटावत, ओढ़त मृगछाला॥ ओम जय शिव ओंकारा॥

काशी में विराजे विश्वनाथ, नन्दी ब्रह्मचारी।
नित उठ दर्शन पावत, महिमा अति भारी॥ ओम जय शिव ओंकारा॥

त्रिगुणस्वामी जी की आरति जो कोइ नर गावे।
कहत शिवानन्द स्वामी, मनवान्छित फल पावे॥
ओम जय शिव ओंकारा॥ स्वामी ओम जय शिव ओंकारा॥

www.ShivNirvana.com

|| Om Jai Shiv Omkara ||

Om Jai Shiv Omkara, Swami Jai Shiv Omkara.
Brahma, Vishnu, Sadashiv, Ardhangi Dhara || Om Jai Shiv Omkara ||

Ekanan Chaturanan Panchanan Raje.
Hansasan Garudasan Vrishvahan Saje || Om Jai Shiv Omkara ||

Do Bhuj Char Chaturbhuj Dashbhuj Ati Sohe.
Trigun Roop Nirkhat Tribhuvan Jan Mohe || Om Jai Shiv Omkara ||

Akshmala Vanmala Mundmaladhari.
Tripurari Kansari Kar Mala Dhari || Om Jai Shiv Omkara ||

Shwetambar Peetambar Baghambar Ange.
Sanakadik Garudadik Bhootadik Sange || Om Jai Shiv Omkara ||

Kar Ke Madhya Kamandal Chakra Trishuldhari.
Jagakarta Jagbharta Jag Sanharakarta || Om Jai Shiv Omkara ||

Brahma Vishnu Sadashiv Janat Aviveka.
Pranavakshar Ke Madhye Ye Teeno Eka || Om Jai Shiv Omkara ||

www.ShivNirvana.com

|| Om Jai Shiv Omkara ||

Parvat Sohain Parvati, Shankar Kailasa.
Bhaang Dhature Ka Bhojan, Bhasmi Mein Vasa || Om Jai Shiv Omkara ||

Jata Mein Gang Bahat Hai, Gal Mundan Mala.
Shesh Naag Liptaavat, Odhat Mrigchhala || Om Jai Shiv Omkara ||

Kashi Mein Viraje Vishwanath, Nandi Brahmachari.
Nitya Uth Darshan Pavat, Mahima Ati Bhaari || Om Jai Shiv Omkara ||

Trigunswami Ji Ki Aarti Jo Koi Nar Gave.
Kahat Shivanand Swami, Manvanchhit Phal Pave ||
Om Jai Shiv Omkara || Swami Om Jai Shiv Omkara ||